

Sem-5 (MJC)

8 वायु प्रदूषण :

* प्रस्तावना :

वायु प्रदूषण वह विथति है जब हवा में हानिकारक गैसों, धूल-कण और विषैले पदार्थ प्राकृतिक मात्रा से अधिक हो जाते हैं और मानव, पशु-पक्षियों तथा पर्यावरण के लिए हानिकारक बन जाते हैं। यह आज की सबसे गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं में से एक है, विश्वभर, बड़े शहरों में।

* वायु प्रदूषण की परिभाषा

जब वायुमंडल में अवांछित गैस, द्रव या गैसीय पदार्थों की मात्रा बढ़ जाती है और वे स्वास्थ्य व पर्यावरण को नुकसान पहुँचाते हैं, तो इसे वायु प्रदूषण कहते हैं।

* वायु प्रदूषण के कारण

(1) प्राथमिक प्रदूषक :

जो बनीयों स्रोत से निकलते हैं :

कार्बन मोनोऑक्साइड (CO), सल्फर डाइऑक्साइड (SO_2) नाइट्रोजन ऑक्साइड (NO_x), धूल-कण ($PM_{2.5}$, PM_{10})

(2) द्वितीयक प्रदूषक :

जो वायुमंडल में रासायनिक क्रिया से बनते हैं :

→ ओजोन (O_3)

→ स्मॉग (Smog)

* वायु प्रदूषण के मुख्य कारण :-

(1) औद्योगीकरण :-

कारखानों से निकलने वाला धुआँ।

(2) वाहन :-

डीजल और पेट्रोल से चलने वाले वाहन

(3) जीवाश्म ईंधन :-

कोयला, पेट्रोलियम और गैस का अत्यधिक उपयोग

(4) कृषि अवशेष जलना :-

पशाली जलाने से प्रदूषण बढ़ता है।

(5) शहरीकरण :-

निर्माण कार्य और धूल।

* उदाहरण :-

→ दिल्ली में सदियों के समय प्रदूषण स्तर बहुत बढ़ जाता है।

→ चीन के कई औद्योगिक शहर भी वायु प्रदूषण से प्रभावित रहे हैं।

* वायु प्रदूषण के प्रभाव

(1) स्वास्थ्य पर प्रभाव

ठंडा, फेफड़ों के रोग, हृदय रोग, आँखों में जलन।

(iii) पर्यावरण पर प्रभाव :-

आम्ल वर्षा, ग्लोबल वार्मिंग, ओजोन परत की नुकसान।

(iv) आर्थिक प्रभाव :-

स्वास्थ्य खर्च में वृद्धि, उत्पादकता में कमी।

* नियंत्रण के उपाय :-

→ स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग (सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा)

→ आर्बोजिनिक परिलहन का प्रयोग

→ वृक्षारोपण

→ उद्योगों में फिल्टर और नई तकनीक का उपयोग

→ प्रदूषण नियंत्रण कानूनों का पालन

→ भारत में वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए

Central Pollution Control Board कार्य करता है।

* निष्कर्ष :-

वायु प्रदूषण एक गंभीर वैश्विक समस्या है, जो मानव जीवन और पर्यावरण दोनों को प्रभावित करती है। इसे नियंत्रित करने के लिए सरकार, उद्योग और आम जनता - सभी की मिलकर प्रयास करना होगा। यदि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में इसके परिणाम और भी गंभीर हो सकते हैं।